>

Title: Need to pay increased salary to Anganwadi teachers and workers before Diwali and to stop handing over of Anganwadis to private trust.

श्री मधुसूदन मिस्त्री : सभापति महोदय, हजारों आंगनवाड़ी वर्कर्स और शिक्षिकाओं के लिए बजट के अंदर जो पांच सौ रुपए इन्क्रीस किए गए थे, उसकी तरफ मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मेरी मांग यह है कि इन हजारों आंगनवाड़ी टीचर्स और कार्यकर्ताओं को पांच सौ रुपए महीना वेतन हर महीने बढ़ाने का निर्णय हुआ था, यह बजट में एनाउंस हुआ था तथा वर्कर्स को ढाई सौ रुपए देने का एनाउंस हुआ था, वे पैसे उन्हें जल्दी से मुहैया कराए जाएं। इनका जो डिफरेंस है, यानी एरियर्स है, वह भी उन्हें जल्दी दिया जाए।

* Not recorded

सभापति महोदय, मैं सरकार का ध्यान अन्य आंगनवाड़ी वर्कर्स के बारे में भी दिलाना चाहता हूं। कितनी स्टेट गवर्नमेंट्स आंगनवांडी अपनी स्टेट के अंदर चला रही हैं। जैसे मेरा स्टेट गुजरात है, उसमें प्राइवेट ट्रस्ट के चलाने की एक मुहिम सरकार की ओर से चल रही है, जिसका आंगनवाड़ी टीचर्स भरपूर विरोध कर रहे हैं, क्योंकि अगर यह प्राइवेट ट्रस्ट को हैंडओवर की जाएगी तो उनको तनख्वाह भी समय से नहीं मिलेगी। इन्हें जो ग्रांट मिलेगी, वह भी प्राइवेट ट्रस्ट वाले छ:-छ:, आठ-आठ महीने तक बैंक एकाउंट में रख कर उससे पैसा कमाने का तरीका ढूंढेंगे और फिर उससे ज्यादा से ज्यादा शोषण होगा।

सभापति महोदय, मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि अगर किसी भी सरकार ने, खास करके गुजरात सरकार ने ये आंगनवाड़ी किसी प्राइवेट ट्रस्ट को देने की मुहिम की हो तो उसे मना कर दिया जाए। इतना ही नहीं, ऐसी कोई भी मुहिम देश के अंदर शुरु हुई हो तो उसे रोका जाए और आंगनवाड़ी टीचर्स का जो शोषण होता है, खास करके समय एवं छुट्टियों के बारे में और उन्हें जो काम दिए जाते हैं, उन्हें थ्रेट किया जाता है कि हम कभी भी इन्हें नौकरी से निकाल सकते हैं। उसके बारे में अगर कोई रूल हो तो उसे एप्लाई करें और नहीं हो तो इनके लिए रूल बनाए जाएं तथा नेचुरल जस्टिस के हिसाब से उनके जो हित हैं, उन्हें भी ध्यान में रखा जाए।

सभापति महोदय, मैं आशा करता हूं कि सरकार और जो वूमैन एंड चाइल्ड डेवेलपमेंट मिनिस्ट्री है, वे इनकी तरफ बहुत ध्यान देंगे। यहां जो इश्यू रेज़ किया गया है, इस बारे में हमें भी जानकारी दें।

श्री संतोष गंगवार (बरेली): हमारे साथी मिस्त्री जी ने जो कहा है, मैं उसका समर्थन करता हूं। देश में 18 लाख आंगनवाड़ी वर्कर्स हैं। हमारे उत्तर प्रदेश के जो आंगनवाड़ी कर्मी हैं, वे यहां इन्हीं समस्याओं को लेकर दस तारीख से तीन दिन का अनशन कर रहे हैं। उनकी मुख्य मांग यह है कि जो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं, उन्हें ग्रेड-तीन और सहायक को ग्रेड-चार में नियुक्ति दी जाए। आईसीडीएस को स्थाई किया जाए और सभी बड़े शहरों में भी आंगनवाड़ी कर्मियों की आवश्यकता रहती है, वहां भी आंगनवाड़ी केन्द्र खोले जाएं।

महोदय, अभी जैसा कहा गया है कि एक हजार रुपए और पांच सौ रुपए के मानदेय पर ये लोग काम नहीं कर सकते। इनके लिए इसके अलावा कोई सुविधा नहीं है। इनमें चूंकि महिलाएं ज्यादा होती हैं और इनका शोषण इतना ज्यादा होता है कि कहा नहीं जा सकता।...(व्यवधान) जब कि श्रम कानून के अंतर्गत न्यूनतम वेतन निर्धारित है, लेकिन इनके वेतन उससे बहुत कम हैं। जैसा मैंने अभी बताया कि उत्तर प्रदेश के आंगनवाड़ी कर्मी 10-11-12 तारीख को यहां इस बात को लेकर सांकेतिक भूख हड़ताल कर रहे हैं। वे श्रीमती रेणुका चौधरी जी से मिलेंगे। उनसे आग्रह है कि इनकी समस्याओं पर ध्यान दें।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : मिस्त्री जी के विषय के साथ संतोष गंगवार जी को भी एसोसिएट किया गया।[s85]

गंगवार जी को भी मिस्त्री जी के विषय के साथ एसोसिएट किया जाता है।